राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–prrajbhavan@gmail.com
मो॰–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

‘बिहार दिवस’ पर आयोजित ‘चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समापन समारोह’ में उपराष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री आदि शामिल हुए

पटना, 22 मार्च 2018

माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम॰ वेंकैया नायडु ने आज शाम पटना के ऐतिहासिक गाँधी मैदान में ‘बिहार दिवस’ के अवसर पर आयोजित ‘चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समापन समारोह’ का दीप–प्रज्वलन कर उद्घाटन किया।

इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने बिहार के गौरवपूर्ण ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक इतिहास का सादर स्मरण किया तथा कहा कि स्वराज को सुराज में बदलने के लिए हमें संकल्पित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि चरित्र, क्षमता, व्यवहार और योग्यता ही किसी व्यक्ति या समाज को श्रेष्ठ बनाते हैं। उन्होंने कहा कि सिद्धांत को आचरण में ढ़ालना बहुत जरूरी होता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ‘न्याय के साथ विकास’ तथा ‘सबका साथ, सबका विकास’ के लिए सबको सामूहिक प्रयास करना होगा।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोकनायक के ‘सम्पूण क्रांति’ के आंदोलन से भारत में लोकतंत्र को ताकत मिली थी। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन को सफल बनाने में बिहार की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। श्री नायडु ने कहा कि बिहार में कृषि–विकास की अपार संभावनाएँ हैं। उपराष्ट्रपति ने नशाबंदी एवं बाल–विवाह व दहेज–प्रथा आदि सामाजिक बुराइयों के विरूद्ध बिहार में चलाये जा रहे सामाजिक सुधार के कार्यक्रमों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के संदेशों को जन–जन तक पहुँचाने के लिए किए गए प्रयासों की भी प्रशंसा की तथा सबको ‘बिहार–दिवस’ की बधाई दी।

कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक ने कहा कि भारत का स्वर्णयुग का इतिहास बिहार का इतिहास है। बिहार का आजादी की लड़ाई में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि बिहार–बँटवारे के बाद यद्यपि खनिज–संपदाएँ झारखंड राज्य के हिस्से चली गईं, परन्तु बिहार के पास जल की सबसे बड़ी सम्पदा है। उन्होंने कहा कि इस जल के बल पर बिहार कृषि क्षेत्र में काफी प्रगति कर सकता है। उन्होंने कहा कि ‘दूसरी हरित क्रांति’ का लाभ सर्वाधिक रूप से बिहार को ही मिलेगा। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार अपने ‘कृषि रोड मैपों’ के जरिये कृषि–विकास हेतु काफी ठोस प्रयास कर रही है।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार सरकार ने राष्ट्रपति महात्मा गाँधी के संदेशों को घर–घर पहुँचाने के लिए काफी प्रशंसनीय और चरणबद्ध रूप से काम किया है। उन्होंने सुझाया कि गाँधी के संदेशों से युवा पीढ़ी को अवगत कराने का कार्य आगे भी जारी रहना चाहिए।

लगातार पृष्ठ....2 पर

श्री मलिक ने कहा कि मोहनदास करमचन्द गाँधी को 'महात्मा' बनानेवाली भूमि बिहार की चम्पारण की ही पावन धरती है। उन्होंने कहा कि गाँधी जी ने स्वयं स्वीकार किया है कि चम्पारण में मैंने ईश्वर, अहिंसा और सत्य का साक्षात्कार किया। गाँधीजी ने चम्पारण–सत्याग्रह के दौरान बिहारियों के सहयोग, दृढ़निश्चय, अपनत्व और त्याग का उल्लेख करते हुए लिखा है कि चम्पारण आंदोलन की सफलता उत्सव जैसी थी। राज्यपाल ने राष्ट्रपिता के शब्दों को उद्धृत करते हुए कहा कि वस्तुतः चम्पारण ने ही सम्पूर्ण भारतवर्ष से महात्मा गाँधी का परिचय कराया था। उन्होंने कहा कि गाँधीजी ने चम्पारण में गरीबी देखकर अपने पूरे बदन पर कपड़ा नहीं पहनने का निर्णय लिया था। वे अपने इस निर्णय पर इतने अडिग थे कि ब्रिटेन में आयोजित एक महत्त्वपूर्ण बैठक में भी अपने घुटने तक के वस्त्र में ही गए थे।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार ने गाँधी दर्शन और उनके संदेशों को नई चमक दी है। उन्होंने कहा कि चम्पारण में गाँधीजी ने जिस 'सत्याग्रह' का आविष्कार कर उसका प्रयोग किया, उसी के बल पर हम अंग्रेजों से अपनी स्वतंत्रता हासिल करने में कामयाब हुए। उन्होंने कहा कि इस सत्याग्रह में एटम से भी ज्यादा शक्ति थी।

राज्यपाल ने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष का सरकार ने जन–सहयोग से काफी बेहतर ढंग से आयोजन किया। उन्होंने सरकार एवं बिहारवासियों को 'चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष' तथा 'बिहार दिवस' भव्य रूप में आयोजित करने पर बधाई दी।

कार्यक्रम के दौरान चम्पारण सत्याग्रह एवं गाँधी–कथा से संबंधित 4 पुस्तकें भी लोकार्पित की गईं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। स्वागत–भाषण शिक्षा मंत्री श्री कृष्ण नन्दन प्रसाद वर्मा एवं धन्यवाद–ज्ञापन शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव श्री आर॰के॰ महाजन ने किया। इस अवसर पर बिहार सरकार के कई मंत्रिगण, सांसदगण, विधायकगण, जन–प्रतिनिधिगण, राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, वरीय प्रशासनिक अधिकारीगण तथा कई गणमान्य जन आदि भी उपस्थित थे।

....